गर्मियो में अपने श्वानों की देखभाल

श्वान घर में सभी का प्रिय मित्र होता है। घर में श्वान के रहने से परिवार जनों को खुशी का एहसास होता है। गर्मियों का मौसम श्वान के लिए ठंड की कंपकपी से राहत लेकर आता है पर इसी झुलसती गर्मी में अपने श्वान की खास देखभाल की भी जरूरत होती है, क्योंकि गर्मियों का मौसम श्वान के लिए काफी पीड़ादायक होता है। इंसानों की तरह ही श्वान भी संवेदनशील होता है। वातावरण का प्रतिकूल प्रभाव इंसानों की तरह ही श्वान पर पड़ता है।

श्वान की देखभाल हम घरेलू तरीके से भी कर सकते है। हमें कुछ दिशानिर्देश का पालन करना चाहिए, जिससे कि इस भीषण गर्मी से अपने श्वान को बचाया जा सके।

1. श्वान को भरपूर मात्रा में पानी पिलाये – गर्मियों के समय जल असंतुलन (डीहाइड्रेशन) न केवल इंसानों को बल्कि जानवरों को भी परेशान करता है। अतः श्वान को थोड़ी–थोड़ी देर पर पानी पिलाना चाहिए या ताजे पानी से भरा कटोरा उनके पास सदैव रखना चाहिए।
2. गर्मी में श्वान को रोज नहलाना चाहिए।
3. श्वान को प्रतिदिन व्यायाम करवायें, सुबह व शाम ही घुमाने ले जाये।
4. श्वान के रहने वाले घर हवादार रहना चाहिए।
5. हवादार क्षेत्र और ठंडे फर्श पर रहने से श्वान को लू से बचाने में मदद मिलती है। श्वान के पंजे फर्श की गर्मी से बहुत ही संवेदनशील होते है इसलिए श्वान को छायादार क्षेत्र में रखना चाहिए।
6. श्वान को बैठने के लिए दरी प्रदान करना या कोई ऐसी वस्तु प्रदान करना जिससे श्वान को गर्मी में फर्श पर ना बैठना पड़े।
7. यदि श्वान की खाल मोटी या बाल ज्यादा मात्रा में है तो उसे समय–समय पर काटते रहे क्योंकि ज्यादा बाल होने से गर्मी अधिक लगेगी और साथ ही उनमें जीवाणु तथा परजीवी हो जाते है।
8. कुछ श्वान की नस्ल को गर्मी के मौसम में ओवरहीटिंग की समस्या हो जाती है जैसे पग, बुल डॉग और पेकिगीज नामक श्वान को एयर कंडीशनर में ही र खे या गर्मी के मौसम में इन्हें ठंडे रूम में ही रखे।
9. यदि घर में नवजात श्वान है तो उसके लिए गाय के दूध के बजाय बकरी का दूध प्रदान करे। नवजात श्वान को गाय के दूध से एलर्जी हो सकती है।

10. श्वान को आहार में चिकिन या दही शामिल करे जिससे वह हर समय चुस्त और उसका जल संतुलन बना रहे।

11. लू लगने की समस्या श्वानों में गर्मियों के मौसम में सामान्यतः देखी गयी है इसलिए लू से श्वानों को बचाये।

12. ज्यादातर ऐसा देखा गया है कि लोग दोपहर में श्वान को नहलाते है और उनके बाल सुखाने के लिए धूप में रख देते है जिससे लू लगने का खतरा रहता है। यदि लू लग जाती है तो श्वान को घर पर ही प्राथमिक चिकित्सा दे।

13. सबसे पहले यदि थर्मामीटर है तो बुखार नाप ले सामान्य 101 से 102°F होता है यदि 102°F से ऊपर आता है तो उसे ठंडे पानी से भीगी हुई पट्टियाँ उसके सिर पर रखे या बर्फ को कपड़े में लेकर उसके शरीर व सिर पर रगड़े।

14. यदि बुखार न उतरे तो नजदीकी पशु चिकित्सालय जबलपुर में लाये व उसका उपचार तुरंत करवाये।

15. श्वान को ए.सी. कार में बंद न रखे – कुछ लोग अपने श्वान को कार में साथ लेकर आते है और कुछ समय के लिए उन्हें कार में ही छोड़ या बंद कर देते है ऐसा करने से श्वान की ताप नियंत्रण प्रक्रिया बिगड़ जाती हैं।

उपरोक्त सावधानियाँ बरतने पर आपके श्वान को गर्मी से राहत अवश्य मिलेगी।

पूजा गवई, डॉ. डी.के. गुप्ता
नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)